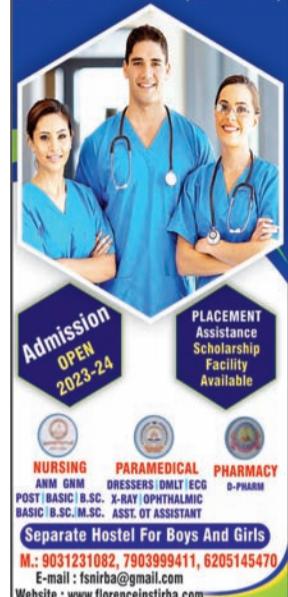


10 अप्रैल, 2023
वैशाख, कृष्ण पाष, एंचनी
संवत् 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3.00

रांची

सोमवार, वर्ष 08, अंक 170

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)



पंचायत सचिव भर्ती
का रिजल्ट हुआ जारी
1633 अध्यर्थी सफल
रंची (आजाद सिपाही)।
झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग ने
पंचायत सचिव भर्ती परीक्षा का
आशिक रिजल्ट जारी कर दिया
है। यह भर्ती इंटरमीडिएट स्तर
संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा - 2017
के तहत हुई है। जारी रिजल्ट के
अनुसार, पंचायत सचिव (प्रामाणी
विकास विभाग) परीक्षा में अध्यर्थी
को तहत 1517 और बैकलोंग को
तहत 116 अध्यर्थियों का अंतिम
चयन किया गया है। इसमें कुल
1633 अध्यर्थियों का चयन किया
गया गया है।

कर्नाटक के बांदीपुर टाइगर रिजर्व में अलग अंदाज में दिखे पीएम बोम्मन और बेली से मिले मोदी, गन्ना भी खिलाया

● जंगल सफारी के लिये
मजे, हाथियों ने किया
पीएम का घेलकम

आजाद सिपाही संचादाता

बंगलुरु। प्रधानमंत्री ने नेंद्र मोदी
रविवार को कर्नाटक दौरे पर थे।
उन्होंने राज्य के बांदीपुर और
मुदुमलाल टाइगर रिजर्व का दौरा
किया। पीएम ने वहाँ बाघों को
बचाने के लिए 50 साल पहले
शुरू किये गये प्रांजेक्ट टाइगर की
सालगिनह पर कार्यक्रम का भी
उद्घाटन किया। इसी के साथ
उन्होंने देश में बाघों की जनसंख्या
के आंकड़े भी जारी किये।

पीएम मोदी सबसे पहले मैसूरू
पहुंचे, जहाँ उन्होंने प्रेजेंट टाइगर



उन्होंने अमृत काल विजन और¹ इंटरेनेशनल बिंग कैटस अलायस (आइबीसीए) की नींव भी रखी।
यह कई देशों का एक समूह है।
जहाँ मार्जिं प्रजाति के सात जनवर
जैसे बाघ, शेर, हिम तेंुआ,
ज़ुबूअर, पुमा, टाइगर, लेपड़ पाये
जाते हैं। उन्होंने बांदीपुर टाइगर
रिजर्व के अंदर 20 किलोमीटर की
सफारी का आनंद उठाया। वह इस

पहले विलुप्त का दौरा करने वाले
दिल्ली के विलुप्त टाइगर रिजर्व के
भावी बाघों में शामिल है।
जहाँ नजारों का आनंद लिया। इसके
साथ ही उन्होंने एक टीवी में कहा,
आज की सुबह खूबसूरत बांदीपुर
टाइगर रिजर्व में बितायी और भारत
के जंगली जीवन, प्राकृतिक

सुंदरता और अनेकता का मजा
लिया। पीएम ने कहा कि दशकों
पहले भारत से चीते विलुप्त हो गये
थे। हम शानदार चीतों को
नामिबिया और दर्शनाल कर्मांडर, 15
लाख का इनामी रविंद्र गंगू का
करोड़ों रुपये निवेश करने के
सबूत एनआइए को मिले हैं।
इसके बाद एनआइए की टीम ने
जगत में राजू साहू के खिलाफ
कार्रवाई की थी। एनआइए को
पहले भी हो चुकी है कार्रवाई:

एनआइए की टीम ने माओवादी

प्राकृतिक नजदीकियों के लिए सबूत दिये हैं। वह लगातार उसके

पायांग आयोग के बाहर आया था। इसी

दैर्घ्य एनआइए को फिर से

जानकारी मिली कि माओवादी

कर्मांडर के साथ उसकी

व्यावसायिक नजदीकियों के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने राजू साहू के

खिलाफ पुलिस के साथ मिले हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम ने शानदार

चीतों को रोकने के लिए सबूत दिये हैं।

एनआइए की टीम

रांची पहुंचे भाजपा के झारखण्ड प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेयी, कहा

हेमंत सरकार को बदलने का समय आ गया है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के झारखण्ड प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने अप्रैल को रांची पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। वहां पर किसी की आवाज को नहीं दबाया जा सकता है। यदि कांग्रेस के लोग यह कह रहे हैं कि उनके नेता को लोकसभा में नहीं बोलने दिया गया, तो वे पूरा झूठ बोल रहे हैं। कांग्रेस खुद लोकतंत्र की हत्या करनेवाली पार्टी है।

भाजपा नेता और झारखण्ड प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेयी रविवार को रांची हवाई अड्डे पर प्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले हवाई अड्डे पर भाजपा कार्यकार्ता ने उनका गम्भीरी से



स्वागत किया।

प्रकारों से बातचीत में बाजपेयी ने कहा कि झारखण्ड की

हेमंत सरकार को बदलने का समय आ गया है और संवैधानिक तरीके से वर्तमान सरकार को उन्होंने कांग्रेस पर निशाना

साधते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग हर जगह वह शिकायत दर्ज करा रहे हैं कि उनके नेता राहुल गांधी की सदस्यता भारतीय जनता पार्टी के कारण चली गयी है, जबकि पूरा मामला कट्टर में है और जो भी निर्णय लिया गया है, वह न्यायालय ने लिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे में यदि कांग्रेस के लोग भाजपा पर आरोप लगाते हैं, तो वह पूरी तरह से निशाना करने की कार्रवाई गयी है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड में कई तरह की समस्याएं हैं, जैसे भ्रष्टाचार, महांगई महिलाओं की सुरक्षा। इन सभी समस्याओं के निवान के लिए भाजपा जनता के बीच जायेगी और लोगों को जागरूक करेगा।

नगर निगम इंफोर्मेंट टीम ने बताया कि पुल के पास लगाने वाले दिलाने के लिए नागर निगम की ओर से निर्देश दिया गया है। लालपुर कोकर मार्ग पर डिस्टलरी पुल के पास मटन, चिकन और मछली विक्रेताओं को लॉटरी के माध्यम से दुकानों का अवंतन किया गया है। मामले को लेकर नगर निगम इंफोर्मेंट टीम ने दुकानदारों को इंफोर्मेंट टीम से जागरूक कराया है। इसके बाद रोड किनारे दुकान लगाने वालों पर नगर निगम कार्रवाई करेगा। निगम एक्ट के तहत ऐसे दुकानदारों पर जुर्माना लगायेगा और उनका सामान भी जबकि नानवेज की विक्री कर रहे हैं।

डिस्टलरी पुल के पास नानवेज बेचनेवालों पर 11 से होगी कार्रवाई

डिस्टलरी पुल के पास नानवेज बेचनेवाले

दुकानदारों को शिष्ट करने की आज आखिरी तारीख है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शहर के लालपुर कोकर मार्ग पर डिस्टलरी वेंडर मार्केट में 74 दुकानदारों को मार्केट में जगह उपलब्ध करायी गयी है। सोमवार को डिस्टलरी पुल के पास नानवेज बेचने वाले दुकानदारों को शिफ्ट करने की आखिरी तारीख है। इसके बाद रोड किनारे दुकान लगाने वालों पर नगर निगम कार्रवाई करेगा। निगम एक्ट के तहत ऐसे दुकानदारों पर जुर्माना लगायेगा और उनका सामान भी जबकि नानवेज की विक्री कर रहे हैं।

नगर निगम इंफोर्मेंट टीम ने बताया कि पुल के पास लगाने वाले जम से अम लोगों को रहत दिलाने के लिए नागर निगम की ओर से निर्देश दिया गया है।

लालपुर कोकर मार्ग पर डिस्टलरी पुल के पास मटन, चिकन और मछली विक्रेताओं को लॉटरी के माध्यम से दुकानों का अवंतन किया गया है। मामले को लेकर नगर निगम इंफोर्मेंट टीम ने दुकानदारों को इंफोर्मेंट टीम से जागरूक कराया है। इसके बाद रोड किनारे दुकान 10 अप्रैल तक नहीं लगायी गयी है, तो 11 अप्रैल से मार्केट के बाहर फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों पर नगर निगम कार्रवाई करेगा। दुकानदारों का कहना था कि कुछ लोगों को दुकान नहीं मिली है, जिससे वे फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को जबकि नानवेज की विक्री कर रहे हैं।

महिला सहित दो गांजा तस्कर हुए गिरफ्तार

रांची (आजाद सिपाही)।

नामकूम थाना पुलिस ने महिला सहित दो गांजा तस्कर को सुखदेव नगर थाना निवासी उज्ज्वल खलखोड़े और गुमला के इमरी थाना निवासी भुजाता देवी पिरपत्तर किया है। इसके पास से 2.6 किलोग्राम गांजा, एक स्कूटी और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बताया कि सूचना मिली थी कि बुद्ध की तरफ से एक लाल रंग की स्कूटी पर सवार एक महिला और एक पुरुष प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रेम, दया, करुण, क्षमा और मानवता का यह प्रेम सभी को स्वस्थ जीवन, सुर्खी और समृद्धि प्रदान करे।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 943114351

मेष

देवता के सर्वों ने सूरज में गुरुता अदायी। इस जल्दी तारीखी हो सकता है।

वृष

जन्मनिता में उम्र। अधिकारित वर्षों के दिसंग अदायी। यह ने शानि का वात्सरण दर्शाया।

मिथुन

आर्थिक लाभ। विद्यार्थी विद्यालय में सुरक्षा होगी। सालों में लोग आपका घराना करेंगे।

कर्क

खुबी। युगल साथावारी की प्राप्ति वर्षों में योगदान होता है।

सिंह

गुरु शुभों पर धिन। दिन सुधार-तारीखी का वात्सरण। अधिकारित वर्ष।

कन्या

सुख-सुख। यह वर्ष एक लोगों के लिए लाभार्थी। यह ने अपनी दूसरी लोगों को लाभ दिया।

तुला

जीवनी की नया पर्याप्तियां। वर्षात्मक वर्ष। वर्षात्मक लाभ।

वृद्धि

विद्यार्थी विद्यार्थी। वर्षात्मक वर्ष।

धनु

सफलता दर्शक। यह वर्ष एक लोगों की प्राप्ति। वर्षात्मक लाभ।

मकर

रोजगार। यह वर्ष एक लोगों की वर्ष। यह वर्ष एक लोगों की वर्ष।

कुम्भ

वर्ष के कुम्भ शुभ। कार्य का प्राप्ति।

गो

जीवनी की वर्ष। वर्षात्मक वर्ष।

सीएम ने दी ईस्टर की शुभकामनाएं

रांची (आजाद सिपाही)।

मुख्यमंत्री देवेंद्र सोरेन ने रविवार को नियमित वर्ष के बाहर फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को जुर्माना दिया। इसके बाद दुकान लगाने वालों को जुर्माना दिया गया है।

रांची (आजाद सिपाही)।

मुख्यमंत्री देवेंद्र सोरेन ने रविवार को नियमित वर्ष के बाहर फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को जुर्माना दिया।

रांची (आजाद सिपाही)।

मुख्यमंत्री देवेंद्र सोरेन ने रविवार को नियमित वर्ष के बाहर फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को जुर्माना दिया।

रांची (आजाद सिपाही)।

मुख्यमंत्री देवेंद्र सोरेन ने रविवार को नियमित वर्ष के बाहर फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को जुर्माना दिया।

रांची (आजाद सिपाही)।

मुख्यमंत्री देवेंद्र सोरेन ने रविवार को नियमित वर्ष के बाहर फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को जुर्माना दिया।

रांची (आजाद सिपाही)।

मुख्यमंत्री देवेंद्र सोरेन ने रविवार को नियमित वर्ष के बाहर फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को जुर्माना दिया।

रांची (आजाद सिपाही)।

मुख्यमंत्री देवेंद्र सोरेन ने रविवार को नियमित वर्ष के बाहर फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को जुर्माना दिया।

रांची (आजाद सिपाही)।

म

संपादकीय

'स्पाइवेर' राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

फा इंशेशियल टाइम्स-लंदन (एफटी) में दिनांक 31 मार्च 2023 को एक समाचार रिपोर्ट ने सुजाव दिया कि केंद्र सरकार नवे स्पाइवेर के लिए बाजार का रुख किए हुए है। भेगासस का निर्माण और बिक्री करने वाली कम्पनी एनससओ को अमेरिका ने काली सूची में डाला हुआ है। जिससे एफटी। रिपोर्ट उन सरकारों के लिए समस्या समझती है, जो जासूसी उपकरण को तैयार करने का इशारा रखती है। रिपोर्ट ने आगे सुजाव दिया है कि भारत सरकार 120 मिलियन डालर या करीब 1000 कोरड़ एनालाग टैक्मॉल्जी पर खर्च करने को तैयार है। इस अनुमति खर्च के लिए करीब एक दर्जन स्पाइवेर विक्रीओं द्वारा अपनी बोतां लगानी की उम्मीद है।

जिन कंपनियों पर नजर रखी है उनमें से एक इंडिलैंस जो हाल ही में ग्रीष्म में एक 'सार्पिंग स्कैडल' में फंसी रही है। ये समाचार रिपोर्ट अगर सही है तो ये स्पष्ट रूप से प्रकट करती है कि निगरानी उद्योग नारिकों के अधिकारों और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी एक नया खतरा है। इसे विनियमित करने के लिए हर देश के पास मजबूत कानूनी ढाढ़ा नहीं है। किसी नारिक के निजी मामलों में कोई

निगरानी या घुसपैठ निजता के मौलिक अधिकार, युक्त धारण और अधिवक्ति के उल्लंघन है। इसलिए इस तरह की किसी भी घुसपैठ को वैधता, आवश्यकता और अनुपातिकता की जरूरतों को पूरा करना चाहिए।

पुद्वासामी मामले के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का एक अंतरिक हिस्सा है जो जीवन और स्थानत्रय के अधिकार से संबंधित है। इसने सञ्चय निगरानी पर भी निरीक्षण तंत्र की जरूरत पर ध्यान दिया, यह इंगित करते हुए कि ऐसी निगरानी कानूनी रूप से वैध होनी चाहिए और इसका एक वैध उद्देश्य होना चाहिए। पहली आवश्यकता माने करती है कि सही निगरानी संसद द्वारा विधिवत बनाये गये उचित कानून के तहत की जानी चाहिए। सभी खुफिया और कानून प्रवर्तन एवं संसदों को निगरानी करने की अनुमति दी गयी है। उनके पास एक स्पष्ट प्रकाशित कानून के आधार पर भूमिकाएं, शक्तियां और जिम्मेदारियां भी होनी चाहिए जिनके उपयोग और प्रभावों का अनुमान लगाया जा सकता है। दूसरी कंडी के लिए एक वैध उद्देश्य की उपस्थिति की जरूरत होती है जोकि सर्वेक्षण किए गए व्यक्ति के अधिकारों पर प्रभाव को ओवररोड करें। ये उद्देश्य अस्पृश्य या अपरिभाषित नहीं हो सकता है। ये समयबद्ध होना चाहिए और इसके वैधता की पूरी तरह से समीक्षा की जानी चाहिए।

अभिमत आजाद सिपाही

रुद्धी राष्ट्रपति लालिंग पूर्णिन ने यूक्रेन पर हमले की जिम्मेदारी परिषिकी देखों और नैटो का विसार करने की उनकी कोरिशों पर डाली थी। उनकी ढाली थी कि यूक्रेन के खिलाफ बल प्रयोग के जरूरी वह दूसरे देशों के लिए एक लकीर खींच रहे हैं, ताकि वे नैटो से दूर रहें। यूरोप में इतना बड़ा युद्ध शुरू करने का प्रायुष्य कारण उन्होंने रही बताया था। अमेरिकी दिवान मैट्री एंटर्नी लिंकेन ने तब कहा था कि वह यह कहने से खुद को नहीं रोक पा रहे हैं कि शायद इसी बात के लिए आगे चल कर हम पूर्णिन का शुक्रिया अदा करें, ज्योकि उन्होंने वही स्थिति समय से पहले ला दी है, जिसे रोकने का तात्पर्य नहीं है।

भारत-रूस की दोस्ती पर क्यों आ रही आंच



हर्ष वी पंत
फिलैंड का
नैटो (नॉर्थ
अटलांटिक ट्रॉटी
ऑर्मेनिझेशन) में
शामिल होना
उभरते ग्लोबल

ऑर्डर पर गहरी छप डालने वाली घटना है। यूक्रेन पर रुसी हमले से इस गठबंधन को नई सार्थकता दी दी है, जिसे शायबुद्दोत्तर काल में अनीता का अवशेष माना जाने लगा था। फिलैंड के राष्ट्रपति ने इस मौके पर कहा कि हम राष्ट्र अपनी सुरक्षा पुँछा करना चाहता है, फिलैंड भी वही कर रहा है। नैटो में बरंशिप ने हमारी अंतर्राष्ट्रीय स्थिति मजबूत बनायी है।

इस घटना ने वह बात पूरी स्थिति के लिए इतिहास का सैन्य गुरुनिरपेक्षा का दौर समाप्त हो गया है और एक नया दौर शुरू हो चुका है।

नैटो की सीमा करीब 1300 किलोमीटर तो बढ़ ही चुकी है, स्ट्रीडन भी इसमें शामिल होने का इंतजार कर रहा है।

उत्तर पांडा दांव

रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूर्णिन ने यूक्रेन पर हमले की जिम्मेदारी पश्चिमी देशों और नैटो का विसर्त करने की उनकी

कोशिशों पर डाली थी। उनकी थी कि यूक्रेन के खिलाफ बल पर लोगों की जिम्मेदारी पर उत्तर पांडा दांव

प्रयोग के जरिए वह दूसरे देशों के लिए एक लकीर खींच रहे हैं, ताकि वे नैटो से दूर रहें। यूरोप में इतना बड़ा युद्ध शुरू करने का प्रमुख कारण उन्होंने यही बताया था।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटीनी

हो है।

लिंकिन ने तब कहा था कि वह यह कहने से खुद को नहीं

रोक पा रहे हैं कि शायद इसी बात के लिए आगे चल कर हम पूर्णिन का शुक्रिया अदा करें, ज्योकि उन्होंने वही स्थिति समय से पहले ला दी है, जिसे रोकने का दावा वह कर रहे हैं।



अबल तो रूस और चीन के बीच समझौते से भारत ने आशंका पैदा हुई है। भारत और रूस के बीच के दस्तों में आ होता है कि भारतीय बायुसेना ने सार्वजनिक तौर पर कह दिया कि यूक्रेन युद्ध की जगह से गाँठों भारत को जल्दी रक्षा सालाई गुहाया करने का वादा पूरा करने की स्थिति नहीं है।

इस बात पर काफी चर्चा होती रही है कि पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर हमला करने के बाद से जंग के मैदान में रुसी फौज को किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिमी देशों के सहयोग की बदौलत यूक्रेन ने लगभग हर स्तर पर रुसियों के परमाणु हथियारों की सहारा लेना पड़ा।

एकजुट हुआ यूरोप रूस के लिए असली चुनौती सामरिक स्तर पर है। रुसी हमले ने एक झटके में न केवल पश्चिम को एकजुट कर दिया, बल्कि उसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद की अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से विचार करने को भी मजबूर किया। जर्मनी जैसे देश के लिए भी यह घटना सामरिक नजरिए से महत्वपूर्ण मोड़ सवित्र हुई।

नैटो एक तरह से जैसे पुनर्जीवित हो गया और फिलैंड, स्ट्रीडन जैसे पारंपरिक तौर पर गुरुनिरपेक्ष देश भी अपने लंबे करने में भी काफी हाद तक सफल रहे हैं।

दूसरी ओर रूस मान कर चल रहा था कि कुछ दिनों नहीं से हफ्तों के अंदर तो यूक्रेन को घस्त कर देगा, वह बुरी तरह मात खाया दिख रहा है। इसलिए रूस को परमाणु हथियारों की धमकी का सहारा लेना पड़ा।

एकजुट हुआ यूरोप

रूस के लिए असली चुनौती सामरिक स्तर पर है। रुसी हमले ने एक झटके में न केवल पश्चिम को एकजुट कर दिया, बल्कि उसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद की अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से विचार करने को भी मजबूर किया। जर्मनी जैसे देश के लिए भी यह घटना सामरिक नजरिए से महत्वपूर्ण मोड़ सवित्र हुई।

नैटो एक तरह से जैसे पुनर्जीवित हो गया और फिलैंड जैसे पारंपरिक तौर पर गुरुनिरपेक्ष देश भी अपने लंबे करने में भी काफी हाद तक सफल रहे हैं।

वैसे सच यह भी है कि भारत, रूस से अपने रिश्तों को प्रभावित नहीं होने देना चाहेगा। लेकिन हालत तेजी से बदलते जा रहे हैं और भारत को हथियारों के लिए कोई वैकल्पिक ठिकाना तलाशना होगी।

जगह पर ऐसा सिक्यूरिटी सिस्टम बनाने का संकल्प लिया, जो समान और सबके लिए खुला होगा। बाबाबरी वाली पार्टनरशिप जैसे जुमलों के पांचों का हकीकत यह देखने पर साफ हो जाती है कि इस वक्त किसे किसकी बात रहत है। हाल ही में जारी विदेश नीति की राजीनीति में रूस और चीन और भारत को नियन्त्रण द्वारा बदल रहा है। आज जब वह पश्चिमी देशों से चिरा हुआ है, तब वह भारत से सहयोग बढ़ाना चाहता है, लेकिन रूस जो भी चाहे, सच्चाई वह है कि दोनों देशों के रिश्तों में कई स्तरों पर चुनौतियां बढ़ रही हैं।

अबल तो रूस और चीन के बीच समझौते से भारत में आशंका पैदा हुई है। भारत और रूस के बीच के दस्तों में आ होता है कि भारतीय बायुसेना ने सार्वजनिक तौर पर कह दिया कि यूक्रेन युद्ध की जगह गुरुनिरपेक्ष कांटों का अंदर रहा है। जाविर है, अबल तो रूस के बीच के दस्तों में आशंका पैदा हुई है।

वैसे सच यह भी है कि भारत, रूस से अपने रिश्तों को प्रभावित नहीं होने देना चाहेगा। लेकिन हालत तेजी से बदलते जा रहे हैं और भारत को हथियारों के लिए कोई वैकल्पिक ठिकाना तलाशना होगी।

बुनियादी संरचना में बदलाव साफ है कि यूरोप की सुरक्षा संरचना को आकाश देने वाले बुनियादी कारबों में बदलाव आ रहा है और उनका प्रभाव भारत की विदेश नीति पर भी होता है, जब विदेश नीति दोनों देशों के दौरे पर आये थे। दोनों देशों ने प्रायोरिटी एंटर्नर

